

महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड सेवानिवृत्त कार्मिक योजना के लिए पंजीकरण हेतु आवेदन

विकल्प प्रपत्र

कार्यकारी निदेशक

म0टै0नि0लि0,

खुशीदलाल भवन, नई दिल्ली

महोदय

मैं अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31.12.----- को महानगर टेलीफोन निगम लिलो की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुआ हूँ तथा इसके पीछे वर्णित कार्यकारी की सेवानिवृत्त कार्मिक स्वास्थ्य योजना की प्रमुख विशेषताओं के अनुसार दिनांक ----- से इस योजना में शामिल होना चाहता/चाहती हूँ।

मैं अनुरोध करता हूँ/करती हूँ कि नीचे दिए गए विवरणानुसार भुजे, मेरी पत्नी/पति को चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाए :-

नाम नीम

आयु

सम्बन्ध

नमूना हस्ताक्षर पति/पत्नी

2

मैं प्रमाणित करता हूँ/करती हूँ कि (1) मैं पूर्णकालिक रूप से नौकरी नहीं कर रहा/रही हूँ।  
2. मैं तथा मेरी पत्नी/पति मेरी अपनी/अपनी पत्नी/पति अथवा बच्चों की नौकरी के परिणाम स्वरूप कोई भी चिकित्सा सुविधा प्राप्त नहीं कर रहा/रही हूँ।

मैं वचन देता/देती हूँ कि उपर्युक्त विवरण में जब कभी कोई परिवर्तन होगा मैं उसकी सूचना कार्यनी को दूंगा/दूंगी।

समय-समय पर प्रस्तुत किए गए चिकित्सा दावों की प्रतिपूर्ति/राशि कृपया खाता सं0-----  
बैंक का नाम ----- पता -----

मैं जमा करवा दी जाए।

मैं यह भी वचन देता हूँ/देती हूँ कि मेरे आक्रितों के अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में मैं भर्ती होने के 24 घंटे के अन्दर कार्यालय को सूचित करूंगा/करूंगी।

मैं यह पूर्णतः समझता हूँ/समझती हूँ कि कार्यनी इस योजना को बिना कोई सूचना दिए तथा बिना कोई कारण बताए किसी भी समय वापस ले सकती है/संशोधित कर सकती है।

भवदीय

हस्ताक्षर

नाम

पेशन भुगतान आदेश सं0-----

टेलीफोन नं0-----

मोबाइल नं0-----

सेवानिवृत्ति के समय पदनाम

समायी पता

Q+2

卷之三

मैं एकलाला घोषणा करता हूँ करती हूँ कि मीरे दर्कार गए मेरे इरियार के सदस्य पूर्णतः सेरे ऊपर आकित हैं

संकेत	प्राचीन विद्या का नाम	विद्या का वर्णन	संदर्भ
1-			
2-			

मैं यही अपनी जाति का संकारती हूँ कि उनकी जाति दोसों से प्रति ग्राम 2300-300 से अधिक नहीं है। वही अपनी जाति की जातिका संकारती है तो विषयीय विषयवाचिकाना ऐसा लजित जानके लाभदाता नहीं बल्कि जातिका संकारती ही या जातिकी ही।

में यह भी घोषणा करके तो इकरार है कि उनकी आवश्यकता खोजे जाएंगे तो उनकी लागत 2500/- रुपये से अधिक नहीं है। वहाँ उपर्युक्त भूमिना कंपनी की अवृत्ति पर्याप्त रूप से दर्शाई गई है। इसके अलावा इसके अन्तर्गत उपर्युक्त भूमि का एक लाभवाली वाला रूप सरकारी है।

परंपरा यांची दोनों के सार्वजनिक सेवानिष्ठता  
होणे के बाबती में अद्युत्तम एवं सेवानिष्ठ  
चिन्मय आवाहा।

卷之三

त्रिवेदी विजयनाथ शर्मा द्वारा लिखित अपनी गीतों का संग्रह

दिल्ली जाना।

३ सो वाले रह (सोली रह) बालामि ।

४ असम राज्य सभा। शुक्रवार - १०५ २००८ बजे वित्तमंत्री द

प्राचीन राजस्थानी का विवरण देने पर अमृतप्रसिद्ध प्रमाण-संग्रह (NOC)

प्राचीन विद्या के लिए इसका अवलोकन बहुत जरूरी है।

१०८ विजय राजा की अपेक्षा यह बहुत अधिक असरदार था।

新編 金華府志

100% Satisfaction Guaranteed or Your Money Refunded

**19** **CHINESE (SOUTHERN) TRADITION**

Digitized by srujanika@gmail.com

11. 04-231843 9312

10. *Leucosia* (L.) *leucostoma* (L.) *leucostoma* (L.) *leucostoma* (L.)

1977-88  
1977-88

卷之三